www.kharia.in
www.akhrajharkhand..in

2018 book CATALOGUE

पुस्तक सूची

www.facebook.com/PyaraKerkettaFoundation
www.facebook.com/AdivasiLiterature

हम से भाषा
भाषा से हम

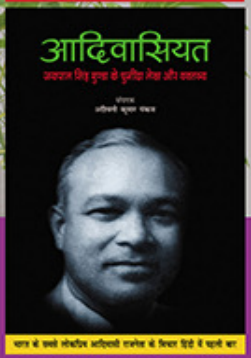

झारखंड एवं आदिवासी विषयक पुस्तकों के एकमात्र आदिवासी झारखंडी प्रकाशक
Pyara Kerketta Foundation
Cheshire Home Road, Bariatu, Ranchi - 834009 Jharkhand
Tel. : 9262975571, 651-2201261, e-mail : pkfranchi@gmail.com

जीवन से भाषा
भाषा से जीवन

पुस्तक सूची

2017-18

प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन

चेशायर होम रोड, बरियातु, राँची - 834009 झारखण्ड

टेलीफैक्स : 91-651-2201261 ई-मेल : pkfranchi@gmail.com

वेब : www.kharia.in | www.akhrajharkhand.in

झारखंडी-आदिवासी पुस्तकों के एकमात्र आदिवासी प्रकाशक

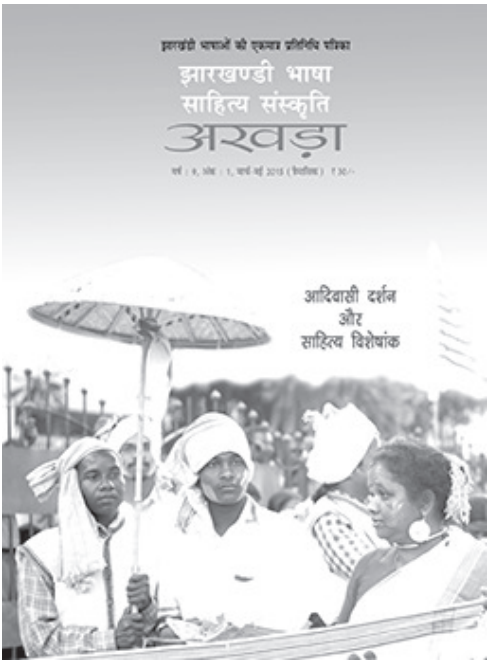

झारखंडी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा

हिंदी सहित झारखंड की 13 देशज एवं आदिवासी भाषाओं में 2004 से निरंत प्रकाशित देश की एकमात्र बहुभाषायी त्रैमासिक पत्रिका.

एक प्रति का मूल्य :
व्यक्तिगत : 30/-
संस्थागत : 60/-

सोरिनानिङ

खड़िया आदिवासी भाषा की एकमात्र साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पत्रिका.

एक प्रति का मूल्य :
व्यक्तिगत : 10/-
संस्थागत : 30/-

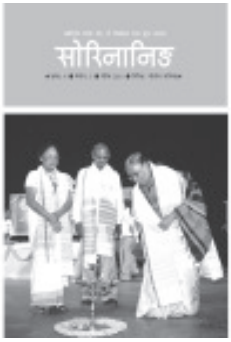

प्रकाशन के गौरवपूर्ण श्रृंखला में आने वाली पुस्तकें

- आदिवासी सौंदर्यशास्त्र
- हिंदी साहित्यः एक सबाल्टर्न परख
- हिंदी फिल्मों में आदिवासी-दलित
- भारत के आदिविद्रोही
- आदिवासी भाषाओं की उपेक्षित दुनिया

प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन
द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

कथा साहित्य

पेनाल्टी कॉर्नर (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	90/-
इसी सदी के असुर	अश्विनी कुमार पंकज	80/-
सलाम भाटू (अनुपलब्ध)	कालेश्वर	100/-
कानि सड़गिर (मुंडारी-हिंदी)	डा. सिकरादास तिर्की	100/-
बेरथअ बिहा (खड़िया)	प्यारा केरकेट्टा	20/-
आंधारिया राइत (कुड़मालि उपन्यास)	निताई चन्द्र महतो	60/-

कविता

जो मिट्टी की नमी जानते हैं (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	150/-
खामोशी का अर्थ पराजय नहीं होता (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	100/-
युद्ध और प्रेम	अश्विनी कुमार पंकज	20/-
भाषा कर रही है दावा	अश्विनी कुमार पंकज	20/-
असरा कर डोंगा (नागपुरी कविता) (अनुपलब्ध)	'पुष्प' पुष्कर महतो	30/-
हिमइत ना हार (नागपुरी कविता) (अनुपलब्ध)	बीरेन्द्र कुमार महतो	30/-
अबसिब मुरडअ (खड़िया-हिंदी कविता)	रोज केरकेट्टा	80/-
हालुक कुड़मालि भांउअर आर रचना (कुड़मालि)	निताई चन्द्र महतो	100/-
कुड़मालि कबि आर काइब (कुड़मालि)	निताई चन्द्र महतो	160/-
हालुक कबिता (कुड़मालि कविता)	महतो एवं डा. महतो	100/-
वृक्ष नहीं हैं स्त्रियां (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	150/-
कोनजोगा	वंदना टेटे	150/-

नाटक

चासिक हाल (कुड़मालि)	ललित मोहन महतो	60/-
डायरी वाली स्त्री (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	100/-
सैंतालिसवाँ (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	100/-
दूजो कबीर (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	100/-

मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा	डॉ. सिकरादास तिर्की	
(अनुवादित मुंडारी नाटक)	प्रो. अमिता मुंडा	100/-
रिक्शावाला@विकास डॉट कॉम	अश्विनी कुमार पंकज	100/-

इतिहास

पुरखा लड़ाके (अनुपलब्ध)	वंदना टेटे (संपादित)	20/-
झारखंड एक अंतहीन समरगाथा (अनुपलब्ध)	वंदना/पंकज	20/-
मुंडारी लोकसाहित्य में इतिहास	डॉ. सिकरादास तिर्की	200/-
उलगुलानी बिरसा (अनुपलब्ध)	वीर भारत तलवार	60/-
झारखण्ड का इतिहास	डॉ. सिकरादास तिर्की	150/-

जीवनी

प्यारा मास्टर	रोज केरकेट्टा	15/-
रघुनाथ टुडूः व्यक्तित्व एवं कृतित्व (अनुपलब्ध)	डॉ. दुखिया मुर्मू	150/-
पुरखा झारखंडी साहित्यकार और नये साक्षात्कार	वंदना टेटे (संपादित)	100/-

शोध-अध्ययन

खड़िया लोक कथाओं का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन (अनुपलब्ध)	रोज केरकेट्टा	250/-
संताली लोक कथाः एक अध्ययन	डॉ. धनेश्वर मांझी	350/-

आलोचना/*विमर्श*

किसका राज है (अनुपलब्ध)	वंदना टेटे	60/-
रंग-बिदेसिया (नाट्यालोचना)	अश्विनी कुमार पंकज	200/-
एक 'अराष्ट्रीय' वक्तव्य (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	150/-
स्त्री महागाथा की महज एक पंक्ति	रोज केरकेट्टा	100/-
आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन	वंदना टेटे (संपादित)	120/-

लोक साहित्य

कुरमाली लोकगीतः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन	डॉ. वृंदावन महतो	100/-

असुर सिरिंग (असुर लोकगीत)	सुषमा असुर/वंदना टेटे	100/-
संताली लोक कथाओं की दुनिया (अनुपलब्ध)	डॉ. धनेश्वर मांझी	100/-
कुड़मालि लक काथा (कुड़मालि)	डॉ. वृंदावन महतो	80/-
कुड़मालि छितराल साहित (कुड़मालि)	डॉ. वृंदावन महतो	60/-
सेंभो रो डकइ (खड़िया लोकगाथा)	रोज केरकेट्टा	40/-
मेरोमडअ डोकलो (खड़िया)	प्यारा केरकेट्टा	20/-
जामबहार (खड़िया)	प्यारा केरकेट्टा	20/-

दर्शन

आदिवासी दर्शन कथाएं	वंदना टेटे/अश्विनी पंकज	50/-

भाषा-साहित्य

झारखंडी साहित्य का इतिहास (अनुपलब्ध)	वंदना टेटे/अश्विनी पंकज	150/-

दुनिया अपनी भाषा में

प्रेमचंदाअ लुङकोय	रोज केरकेट्टा	50/-
(प्रेमचंद की कहानियां खड़िया में)		
अब हामर हक बनेला (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	60/-
(चुनींदा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय कविताएं नागपुरी में)		
छाँइह में रउद कविता (अनुपलब्ध)	अश्विनी कुमार पंकज	60/-
(दुष्यंत कुमार की हिन्दी गजलों का नागपुरी भाषा में)		
अबसिब मुरडअ (खड़िया-हिंदी कविता)	रोज केरकेट्टा	80/-
कानि सड़गिर (मुंडारी-हिंदी)	डा. सिकरादास तिर्की	100/-

आदिवासी दर्शन कथाएं

वंदना टेटे/अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 50/- ISBN : 978-93-81056-46-2

आदिवासी दर्शन को अत्यंत सरल ढंग से इस पुस्तक में कहानियों के माध्यम से कहा गया है। कहानियां छोटी-छोटी हैं और बहुत ही कम शब्दों में हमारा परिचय आदिवासी समाज में संचित जीवन-मूल्यों, उनके विश्वास और दर्शन से कराती है। आदिवासी दर्शन व साहित्य के पाठकों के लिए जरूरी किताब।

आदिवासी एवं देशज दुनिया का नया साहित्य

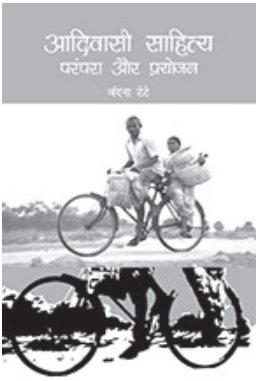

आदिवासी साहित्य : परंपरा और प्रयोजन

वंदना टेटे

मूल्य 120/- ISBN : 978-93-81056-37-0

आदिवासी दर्शन और साहित्य पर हिंदी में यह पहली आलोचनात्मक पुस्तक है। यह पुस्तक आदिवासी साहित्य की अवधारणा और उसकी सैद्धांतिकी को बहुत ही सहज किंतु तार्किक ढंग से स्थापित करती है और बताती है कि आदिवासी साहित्य वही है जो अपने दर्शन के साथ प्रस्तुत होती है।

झारखण्ड का इतिहास

डॉ. सिकरादास तिर्की

मूल्य 150/- ISBN : 978-93-81056-53-0

अपनी इस नई इतिहास पुस्तक में डा. तिर्की ने न सिर्फ गैर-आदिवासियों के इतिहास लेखन के एप्रोच को चुनौती दी है बल्कि यह भी बताया है कि झारखंड का इतिहास नागवंशियों के शासन से शुरू नहीं होता है।

स्त्री महागाथा की महज एक पंक्ति

रोज केरकेट्टा

मूल्य 180/- ISBN : 978-93-81056-43-1

देश की प्रख्यात आदिवासी लेखिका डॉ. रोज केरकेट्टा की नई यह किताब है। 144 पृष्ठों की इस पुस्तक में आदिवासी, स्त्री, शिक्षा, साहित्य और विकास की तथाकथित राजनीति पर विचारोत्तेजक लेख शामिल हैं। आदिवासी समाज और साहित्य में रुचि रखने वालों के लिए जरूरी किताब।

आदिवासी एवं देशज दुनिया का नया साहित्य

कानि सड़गिर

डॉ. सिकरादास तिर्की

मूल्य 100/- ISBN : 978-93-81056-36-3

आदिवासी कहानियों के परंपरागत कहन और आदिवासी समाज के सहज संसार की सटीक अभिव्यक्त हुई है, इस संग्रह में शामिल कहानियों में। बगैर किसी लाग-लपेट और अतिरिक्त व शास्त्रीय अलंकरण से रहित हैं मूल मुंडारी में लिखी गई डॉ. तिर्की की कहानियां। इसमें हिंदी अनुवाद भी है।

उलगुलानी बिरसा

डॉ. वीर भारत तलवार

मूल्य 60/- ISBN : 978-93-81056-54-7

बिरसा मुंडा के जीवन, विचार और उनके नेतृत्व में हुए इतिहसप्रसिद्ध उलगुलान पर यह पुस्तिका 1975 में डॉ. वीर भारत तलवार ने लिखी है। बहुत ही सरल भाषा और सारगर्भित तरीके से उलगुलान और बिरसा मुंडा के साम्राज्यवाद विरोधी जीवन संघर्ष को इसमें प्रस्तुत किया गया है।

कोनजोगा

वंदना टेटे

मूल्य 150/- ISBN : 978-93-81056-52-3

यह झारखंड की जानीमानी संस्कृतिकर्मी और आदिवासी दर्शन व साहित्य की अगुआ पैरोकार वंदना टेटे का पहला काव्य संकलन है. इसमें उनकी कुल 53 कविताएं हैं. संग्रह में शामिल कविताएं हमें आदिवासी गीतों की परंपरा तक ले जाती हैं जहां कहन भी है और संगीत भी.

आदिवासी एवं देशज दुनिया का नया साहित्य

हालुक कबिता

रतन कुमार महतो 'सत्यार्थी'/डॉ. वृंदावन महतो

मूल्य 100/- ISBN : 978-93-81056-38-7

यह कुड़माली कवियों के आधुनिक कविताओं का संकलन है। इसे संपादित किया है रतन कुमार सत्यार्थी और डॉ. वृंदावन महतो ने। इस कुड़माली कविता संकलन में कुल बारह वरिष्ठ और नये कवियों की कविताएं उनके विस्तृत परिचय तथा आलोचनात्मक टिप्पणी के साथ शामिल हैं।

बेरथअ बिहा

प्यारा केरकेट्टा

मूल्य 20/- ISBN : 978-93-81056-32-6

यह खड़िया भाषा की पहली शिष्ट कहानी है जिसे विद्वानों ने उपन्यासिका माना है। इसमें कहानीकार ने आधुनिक दबावों से परंपरागत खड़िया आदिवासी समाज की संक्रमणकालीन स्थितियों का, और उसमें भी विशेषकर स्त्रियों की स्थिति का बड़ा ही सटीक वर्णन किया है।

रिक्शावाला@विकास डॉट कॉम

अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 100/- ISBN : 978-93-81056-44-8

इस नाट्य संग्रह में आदिवासी समाज के उन सवालों को दृश्यांकित किया गया है जो उनके अस्तित्व से जुड़े हैं. ग्लोबल हमले से लोहा ले रहे वे उस समाज की कथा है, जिससे भारतीय समाज और 'नाट्यशास्त्र' को अपना आदर्श मानने वाली भारतीय रंग परंपरा दोनों ही आंख चुराती रहे हैं.

झारखण्ड के आदिवासी एवं देशज दुनिया की कहानियाँ

पेनाल्टी कॉर्नर

अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 90/- ISBN : 978-81-907903-5-2

'पेनाल्टी कॉर्नर' की कहानियाँ झारखंड के औपनिवेशिक शोषण-दमन और उससे उपजी सामाजिक-सांस्कृतिक विसंगतियों-विकृतियों को बेहद बारीकी से रेखांकित करती है। झारखंड के जन-जीवन को संदर्भित करने वाली ऐसी रचनाएं और रचनाकार बहुत विरल हैं।

सलाम भाटू

कालेश्वर

मूल्य 100/- ISBN : 978-93-81056-13-4

कालेश्वर की कहानियों में न तो मध्यवर्गीय समाज का मिजाज है, न शहरी जिन्दगी की जानी-पहचानी पेंचीदगी। मैदानी दुनिया की ग्रामगंधी कथा का इतिवृत्तात्मक विवरण भी नहीं। यहां पठारी प्रदेश के गांव हैं जहां औद्योगीकरण और विस्थापन का दंश भी है और लाल दस्ते की मौजूदगी भी।

इसी सदी के असुर

अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 80/- ISBN : 978-93-81056-07-3

झारखंड नवनिर्माण के ऐतिहासिक संघर्ष के अंतर्द्वंद्व और विरोधभासों से गुजरते झारखंडी समाज के आज की कहानियां हैं इसमें। जहां एक ओर संघर्ष चेतना से लैस राज्यसत्ता के साथ सीधे मुठभेड़ में ग्रामीण हैं तो दूसरी ओर पढ़ा-लिखा झारखंडी 'दलाल' तबका भी है।

झारखण्ड के आदिवासी एवं देशज दुनिया की कविताएँ

आदिम राग

वंदना टेटे (संपादक)

मूल्य 100/-

भारत के आदिम आदिवासी समुदायों की पहली कविता पुस्तक। असुर, कोरबा, पहाड़िया, माल पहाड़िया, बिरजिया, बिरहोर, परहिया और सबर समुदाय के आदिम आदिवासियों की रचनाएं। मूल भाषा में रची गयी रचनाओं के हिंदी अनुवाद सहित।

मराङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा

डॉ. सिकरादास तिर्की/प्रो.अमिता मुंडा

मूल्य 100/- ISBN : 978-93-81056-23-3

जयपाल सिंह मुंडा के जीवन और उनके संघर्ष पर यह मुंडारी नाटक है। इसके मूल हिंदी लेखक नागपुरी के सुप्रसिद्ध रचनाकार डा. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज' हैं। यह झारखंड आंदोलन की प्रामाणिक जानकारी की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

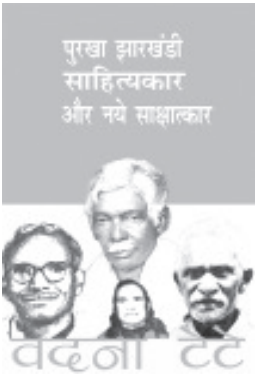

पुरखा झारखंडी साहित्यकार और नये साक्षात्कार

वंदना टेटे

मूल्य 100/- ISBN : 978-93-81056-28-8

इस पुस्तक में झारखंडी लेखकों के साक्षात्कार एवं जीवनियां हैं ताकि झारखंडी और देश का देशज-आदिवासी समुदाय एक ही जगह हमारे पुरखा रचनाकारों और समकालीन झारखंडी लेखकों के चिंतन और रचनाकर्म से परिचित हो सके।

झारखण्ड के आदिवासी एवं देशज दुनिया की कविताएँ

भाषा कर रही है दावा

अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 20/- ISBN : 978-93-81056-03-5

अश्विनी के काव्य पंक्तियों से गुजरते हिन्दी कविता की रघुवीर सहाय की परम्परा से आपकी मुलाकात होती है वही गद्यात्मकता का सौन्दर्य, वही आन्तरिक लय अपनी पूरी ताकत के साथ यहाँ मौजूद है। एक संवेदनशील कवि और एक्टीविस्ट की लंबी कविता पुस्तिका।

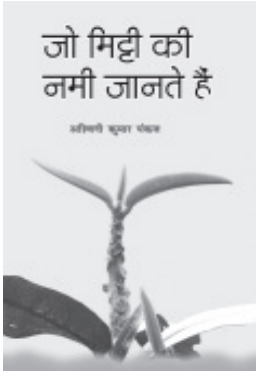

जो मिट्टी की नमी जानते हैं

अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 75/- ISBN : 978-81-907973-4-5

कविताएं उद्‌गार, विचार, चित्रण, सूचना या विवरण भर नहीं होती, तो भी इन सबकी मार्फत वे भावना या विवेक से जुड़ती हैं। यह तलाश जरूरी है कि कविता के शब्दों को ऊर्जा कहां से मिलती है। विषय-वस्तु से या संवेदना-दृष्टि से? इस लिहाज से देशज संवेदनाओं का कविता संग्रह।

खामोशी का अर्थ पराजय नहीं होता

अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 100/- ISBN : 978-93-81056-01-1

अश्विनी की कविता का भूगोल बड़ा है। आदिवासी अंचलों से लेकर रियो डी जेनेरो तक। यह संकलन पराजय नहीं, विजय के साथ है और इसी कारण दृढ़ संकल्प कई कविताओं में है। आशा, उम्मीद, उत्साह, गति, भविष्योन्मुखी चेतना से जुड़ी है इस संग्रह की सभी कविताएं।

झारखण्ड के आदिवासी एवं देशज दुनिया का अनलिखा इतिहास

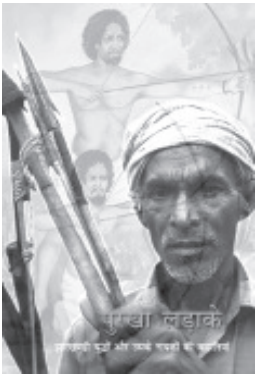

पुरखा लड़ाके

वंदना टेटे (संपादित)

मूल्य 40/- ISBN : 978-81-907973-1-4

भारत की आजादी की लड़ाई की कहानी और इतिहास 1857 से बताया जाता है। लेकिन प्रस्तुत पुस्तक इस स्थापित इतिहास को खारिज करते हुए बताती है कि यह सच नहीं है। आदिवासी इतिहास पर जानकारीपरक और नये तथ्यों को उद्घाटित करती एक संग्रहणीय पुस्तक।

सेंभो रो डकई

रोज केरकेट्टा

मूल्य 40/- ISBN : 978-93-81056-21-9

'सेंभो रो डकई' खड़िया समुदाय के कृषि जीवन में प्रवेश की लोकगाथा है। धरती बार-बार प्राकृतिक आपदाओं से जूझती रहती है। अग्नि और जल प्रलयसे हुए विनाश के बाद किस तरह मनुष्य बच निकलता है और नयी सृष्टि का आरंभ होता है, इसी की चर्चा है 'सेंभो रो डकई' में।

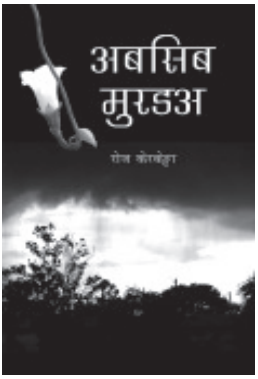

अबसिब मुरडअ

रोज केरकेट्टा

मूल्य 80/- ISBN : 978-93-81056-22-6

यह रोज की खड़िया कविताओं का प्रथम संग्रह है। संग्रह की कविताएँ ऊँची उड़ान नहीं भरतीं। परन्तु युवावस्था में प्रत्येक व्यक्ति कुछ सपने देखता, कुछ आदर्श पालता है, वैसे ही कुछ सपने और आदर्श इन कविताओं में हैं। हिंदी अनुवाद सहित कवयित्री की प्रथम रचनाओं की अनुपम पुस्तक।

झारखण्ड के पुरखा व्यक्तित्व

प्यारा मास्टर

रोज केरकेट्टा

मूल्य 15/- ISBN : 978-81-907973-0-7

जिन झारखंडी नायकों के साहसी कार्रवाईयों ने आने वाले दिनों में झारखंड की तस्वीर बदल डाली, प्यारा मास्टर उनमें से एक हैं। प्यारा ने भारतीय समाज और राजनीति में झारखण्डी जनता की दावेदारी को बड़ी शिद्दत से उठाया और उसे स्थापित किया। वे कइसरा, बोलबा के रहने वाले थे।

रघुनाथ टुडू : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

डॉ. दुखिया मुर्मू

मूल्य 150/- ISBN : 978-93-81056-11-0

यह कृति न केवल झारखंड के लोकप्रिय संताली कवि, नाटककार का परिचय कराती है बल्कि झारखंडी शख्सियतों के जीवनी लेखन की क्षीण धारा को नया विस्तार देती है। इसे पढ़ते हुए झारखंड के अनेक नायकों की याद आती है, जो आज भी विस्मृत हैं।

झारखण्ड के पुरखा व्यक्तित्व

झारखंड
एक अंतहीन समरगाथा

आलेखः वंदना/पंकज

रेखांकनः कुमार राजू

मूल्य 20/- ISBN : 978-81-907973-8-3

झारखंड के इतिहास पर सरल भाषा में सचित्र पुस्तिका। बच्चों के लिए विशेष उपयोगी।

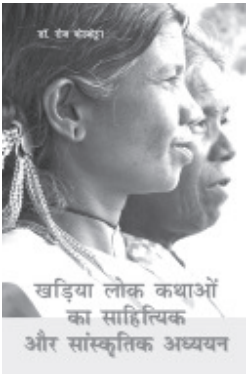

खड़िया लोक कथाओं का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन

रोज केरकेट्टा

मूल्य 250/- ISBN : 978-81-907973-3-8

खड़िया जीवन और संस्कृति पर, उनके विश्वासों और श्रम-सौंदर्य पर विदूषी लेखिका ने लोक कथाओं के माध्यम से गहन एवं सूक्ष्म दृष्टि डाली है। आदिवासी और विशेषकर खड़िया समुदाय पर जानकारी के लिए एक जरूरी पुस्तक।

संताली लोक कथा : एक अध्ययन

डॉ. धनेश्वर मांझी

मूल्य 350/- ISBN : 978-93-81056-08-0

संताली लोक कथाओं पर पहली पुस्तक जो आदिवासी दृष्टि से लोक कथाओं की मीमांसा करती है। लोक साहित्य के अध्ययन में अब तक जिन प्रणालियों का इस्तेमाल हुआ है उस पर विमर्श करती हुई यह किताब लोक कथाओं के माध्यम से हमें आदिवासी दुनिया के करीब ले जाती है।

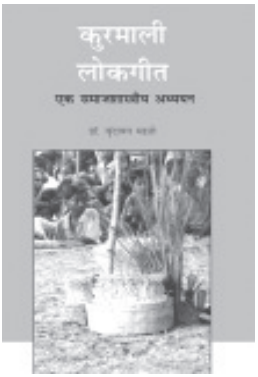

कुरमाली लोकगीतः एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

डॉ. वृंदावन महतो

मूल्य 100/- ISBN : 978-93-81056-00-4

झारखंड कुड़मी समाज के लोकगीतों पर प्रामाणिक शोध और अध्ययन का परिणाम है यह पुस्तक। इसमें विद्वान अध्येता डॉ. वृंदावन महतो ने न सिर्फ लोकगीतों को संग्रहित किया है बल्कि उसकी सम्यक विवेचना भी की है जो अत्यंत महत्वपूर्ण है।

झारखण्ड का आदिवासी एवं देशज नजरिया

किसका राज है

वंदना टेटे

मूल्य 50/- ISBN : 978-81-907973-6-9

यह वंदना टेटे द्वारा झारखंडी सवालों पर विभिन्न समयों में लिखे आलेखों का संग्रह है। वंदना झारखंड के उन संस्कृतिकर्मियों में हैं जिन्होंने झारखंडी चिंतन, संघर्ष और सृजन को एक नया आयाम दिया है और आदि दृष्टि को सांस्कृतिक आंदोलनों के जरिये जमीनी विस्तार दिया है। पठनीय विमर्श पुस्तक।

एक अराष्ट्रीय वक्तव्य

अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 150/- ISBN : 978-93-81056-17-2

उत्पीड़ित राष्ट्रीयताओं के सवालों पर हिंदी में एक जरूरी पुस्तक। इसमें एक्टिविस्ट संस्कृतिकर्मी पंकज उन प्रचलित धारणाओं पर जबरदस्त प्रहार करते हैं जो राष्ट्रीयता की परिभाषा को संकुचित किये हुए है। वे राष्ट्रीयता की एक देशज अवधारणा प्रस्तुत करते हुए मठों को ध्वस्त करते हैं।

प्रेम और युद्ध

अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 20/- ISBN :978-93-81056-02-8

अश्विनी कुमार पंकज एक पॉलिटिकल प्रेम कवि हैं। जब वे पॉलिटिकल कविताएं लिखते हैं। मसलों पर अपने स्टैंड लेते हैं। मनुष्य के पक्ष में खड़े होते हैं। नीचे, तलछट की छटपटाहट और बेचैनी की कविताएं तब उनके वाक्य बनती हैं। प्रेम और युद्ध की बेहतरीन प्रस्तुति है यह कविता पुस्तक।

असुर सिरिंग

सुषमा असुर/वंदना टेटे

मूल्य 80/- ISBN : 978-93-81056-10-3

झारखंड के प्राचीन आदिम आदिवासी समुदाय असुर लोकगीतों का संग्रह झारखंडी साहित्य की एक विशिष्ट उपलब्धि है। विशिष्ट इसलिए कि यह असुरों द्वारा स्वयं संकलित एवं प्रकाशित पहली कविता पुस्तक है।

मुंडारी लोक साहित्य में इतिहास

डॉ. सिकरादास तिर्की

मूल्य 200/- ISBN : 978-93-81056-12-7

तथ्यों के अभाव में इतिहास लेखन कठिन है पर डॉ. तिर्की ने मुंडारी लोक साहित्य को आधार बनाकर समृद्ध मुंडा समुदाय के उद्‌गम, परिभ्रमण, एवं निरंतर विकासोन्मुख वैभवपूर्ण इतिहास प्रस्तुत किया है जो अति ज्ञानवर्द्धक है। समाजशास्त्रीय अध्ययन की दृष्टि से बेहद जरूरी पुस्तक।

संताली लोक कथाओं की दुनिया

डॉ. धनेश्वर मांझी

मूल्य 100/- ISBN : 978-93-81056-14-1

संताल समाज जिन मूल्यों व दर्शन से संचालित है, उसे गढ़ने में लोककथाओं का बहुत बड़ा योगदान है। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था का विकास बहुत बाद में हुआ जबकि लोक साहित्य सदियों से मौखिक शिक्षण व्यवस्था का प्रमुख पाठ्यक्रम रहा है। संतालों की वाचिक परंपरा की पठनीय कथाओं की पुस्तक।

दुनिया झारखंडी भाषाओं में

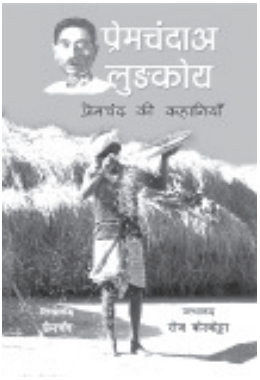

प्रेमचंदाअ लुङकोय

रोज केरकेट्टा

मूल्य 50/- ISBN : 978-81-907973-2-1

कथा सम्राट प्रेमचंद किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं न ही उनकी कहानियों को किसी विशेष चर्चा की जरूरत है। इसमें प्रेमचंद की चर्चित कथाओं का खड़िया अनुवाद प्रस्तुत किया गया है। इसका महत्व इसलिए भी है कि इसी पुस्तक में प्रेमचंद झारखंड की किसी आदिवासी भाषा में अनूदित हुए हैं।

अब हामर हक बनेला

अश्विनी कुमार पंकज (संपादित)

मूल्य 100/- ISBN : 978-81-907973-9-0

दुष्यंत की हिंदी गजलें आज हरएक भारतीय की जबान पर है। हिंदी में गजल नहीं कही जा सकती, इस मिथ को तोड़ते हुए दुष्यंत ने अवाम के वेदना और विद्रोह को जो अभिव्यक्ति दी है, उसे नागपुरी में उसी तेवर के साथ झारखंडी पाठकों के लिए इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है।

छाँइह में रउद

दुष्यंत अनुवादक : अश्विनी कुमार पंकज

मूल्य 50/- ISBN : 978-93-81056-04-2

दुष्यंत की हिंदी गजलें आज हरएक भारतीय की जबान पर है। हिंदी में गजल नहीं कही जा सकती, इस मिथ को तोड़ते हुए दुष्यंत ने अवाम के वेदना और विद्रोह को जो अभिव्यक्ति दी है, उसे नागपुरी में उसी तेवर के साथ झारखंडी पाठकों के लिए इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है।

प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन द्वारा निर्मित विडियो फिल्में

गुरु गोमके

निर्देशक : अश्विनी कुमार पंकज

झारखंड में आदिवासी सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अगुआ नायक गुरु गोमके रघुनाथ मुर्मू की जन्मशती पर निर्मित डॉक्यूमेंट्री फिल्म।

भाषा : हिंदी, संताली
अवधि : 60 मिनट मूल्य 100/-

प्यारा मास्टर

निर्देशक : अश्विनी कुमार पंकज

झारखंड की उत्पीड़ित आबादी के समग्र शैक्षणिक व सांस्कृतिक उत्थान के लिए हमेशा युद्धरत रहे जनता के लाडले शिक्षक प्यारा मास्टर पर बायोग्राफिकल फिल्म।

भाषा : हिंदी (अंग्रेजी सबटाइटल)
अवधि : 60 मिनट मूल्य 100/-

तेलंगा नदनी

निर्देशक : अश्विनी कुमार पंकज

आदिवासी इतिहास श्रृंखला में खड़िया समुदाय के आदिविद्रोही तेलंगा खड़िया के जीवन और प्रतिरोध पर डॉक्यूमेंट्री।

भाषा : खड़िया (हिंदी सबटाइटल)
अवधि : 30 मिनट मूल्य 100/-

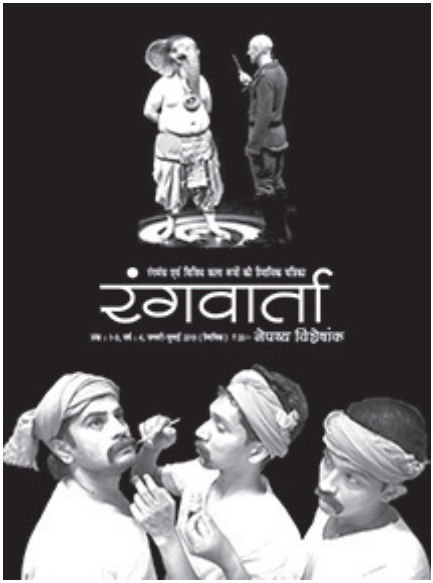

रंगवार्ता

रंगमंच एवं विविध कला रूपों की त्रैमासिक पत्रिका. अगस्त 2011 से हिंदी में प्रकाशित.

एक प्रति का मूल्य :
व्यक्तिगत : 30/-
संस्थागत : 90/-

आदिवासी साहित्य

दिल्ली से प्रकाशित भारत की पहली त्रैमासिक आदिवासी पत्रिका। जनवरी 2015 से हिंदी में प्रकाशित। हिंदी एवं आदिवासी साहित्य के पाठकों, शोधार्थियों और लेखकों के लिए एक अनिवार्य पत्रिका।

एक प्रति का मूल्य :
व्यक्तिगत : 30/-
संस्थागत : 60/-

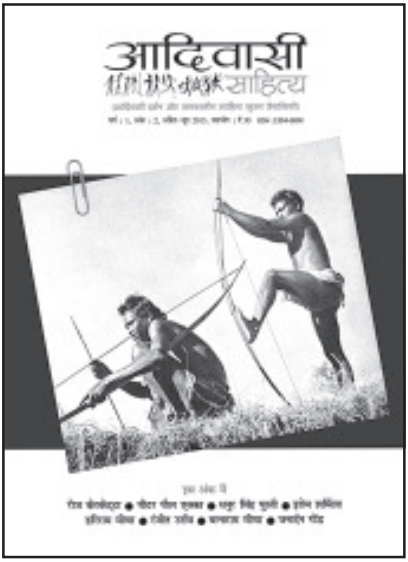

प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन

मानवीय क्षमता एवं समग्र सामाजिक विकास के लिए प्रयासरत 'प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन' एक अलाभकारी विकास संस्थान है. 'भारतीय ट्रस्ट एक्ट' (1882) के तहत 17 जुलाई 2002 को पंजीकृत इस न्यास की स्थापना झारखंड के महान शिक्षाविद्, समाज सुधारक और सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता प्यारा केरकेट्टा के नाम पर की गई है. झारखंडी समाज के शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास में प्यारा केरकेट्टा (3 जून 1903-25 दिसंबर 1973) का योगदान अद्वितीय है. उन्होंने आजीवन शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक नवजागरण के लिए कार्य किया. झारखंडी जनता के चहुंमुखी विकास के लिए समर्पित प्यारा केरकेट्टा का व्यक्तित्व बहुआयामी था. एक ही साथ वे साहित्य, शिक्षा, संस्कृति, राजनीति और समाज के सभी मोर्चों पर जूझते रहे, लोगों को जागरुक और संगठित करते रहे.

फाउण्डेशन सरकार, राजनीतिक पार्टियों, कॉरपोरेट घरानों, बहुराष्ट्रीय निगमों और विदेशी फण्डिंग एजेंसियों से किसी भी प्रकार का अनुदान या वित्तीय सहायता लिये बिना झारखंडी जनता से जुटाये गये संसाधनों के आधार पर झारखंड विषयक साहित्य हिंदी, आदिवासी एवं क्षेत्रीय भाषाओं में बेहद सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है.

हमसे पुस्तकें मँगाने के लिए इन बातों का ध्यान रखें :

- प्रत्येक पत्र तथा आदेश-पत्र पर अपना पूरा नाम-पता (पिनकोड सहित) साफ-साफ लिखें.
- मनीऑर्डर के पीछे सन्देश वाले स्थान पर अपना पूरा नाम-पता (पिनकोड सहित) साफ-साफ ज़रूर लिखें.
- चेक/ड्राफ्ट 'प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन' (Pyara Kerketta Foundation) के नाम से राँची में देय भेजें. (राँची से बाहर के चेकों के लिए 60/- रुपये अतिरिक्त जोड़कर भेजें)
- पुस्तकों पर डाक-व्यय अलग से देय होगा.
- हम वीपीपी से पुस्तकें नहीं भेजते हैं.
- पुस्तक विक्रेताओं तथा वितरकों द्वारा पुस्तकें मँगाने की शर्तों के लिए हमसे पत्र, ईमेल अथवा फोन से सम्पर्क करें.

प्यारा केरकेट्टा फाउण्डेशन
203, एमजी टॉवर,
23, पूर्वी जेल रोड,
रांची - 834001 झारखंड

चलभाष : 9262975571
टेलीफैक्स : 0651 - 2201261
ईमेल : pkfranchi@gmail.com
वेबपता : kharia.in और akhrajharkhand.in

हम पुस्तकें छापते हैं
झारखण्ड की भाषाई अस्मिता
और पहचान के लिए
सदियों से राजनीतिक-सांस्कृतिक
भेदभाव का शिकार रहे
अनसुनी देशज जुबान के लिए

झारखण्ड
जहाँ चलना ही नृत्य है
बोलना ही गीत है
पढ़ना ही जीवन को रचना है

हम से भाषा
भाषा से हम

झारखंड एवं आदिवासी विषयक पुस्तकों के एकमात्र झारखंडी प्रकाशक

प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन
चेशायर होम रोड, बरियातु, राची - 834009 झारखण्ड
टेलीफैक्स : 91-651-2201261, ई-मेल : pkfranchi@gmail.com